काँवड़ यात्रा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों** के विवादास्पद आदेशों पर रोक लगा दी, जिसके तहत **काँवड़ यात्रा (पवित्र यात्रा)** के मार्ग पर स्थित होटलों, दुकानों, भोजनालयों और ढाबों पर **मालिकों के नाम प्रदर्शित** करना अनिवार्य कर दिया गया था।

मुख्य बिंदु

- **काँवड़ यात्रा भगवान शिव के भक्तों द्वारा श्रावण माह में की जाने वाली एक हिंदू तीर्थयात्रा है।**
- भक्तगण उत्तराखंड में **हरिद्वार, गौमुख, गंगोत्री, बिहार में सुल्तानगंज, उत्तर प्रदेश में प्रयागराज, अयोध्या और वाराणसी** जैसे **तीर्थ स्थानों की यात्रा करते हैं** तथा शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिये काँवड़ में गंगा जल लेकर लौटते हैं।
    - जल को शिव मंदिरों में चढ़ाया जाता है, जिसमें भारत के **12 ज्योतिर्लिंग** और उत्तर प्रदेश में पुरा महादेव मंदिर तथा औघड़नाथ, प्रसिद्ध **काशी विश्वनाथ मंदिर** एवं झारखंड के देवघर में **बाबा बैद्यनाथ मंदिर** जैसे अन्य मंदिर शामिल हैं। इस अनुष्ठान को **जल अभिषेक** के नाम से जाना जाता है।

12 ज्योतिर्लिंग

- **ज्योतिर्लिंग** एक **तीर्थस्थल है जहाँ भगवान शिव की ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजा** की जाती है।
- प्रत्येक ज्योतिर्लिंग **भगवान शिव का एक अलग स्वरूप** है।
- वर्तमान में **भारत में 12 मुख्य ज्योतिर्लिंग** हैं। ये हैं:
    - गिर, गुजरात में **सोमनाथ ज्योतिर्लिंग**
    - श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश में **मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग**
    - **मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग**
    - **मध्य प्रदेश के खंडवा में ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग**
    - देवघर, झारखंड में **बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग**
    - महाराष्ट्र में **भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग**
    - तमिलनाडु के रामेश्वरम में **रामनाथस्वामी ज्योतिर्लिंग**
    - गुजरात के द्वारका में **नागेश्वर ज्योतिर्लिंग**
    - **काशी विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग**, वाराणसी, उत्तर प्रदेश
    - **त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग** नासिक, महाराष्ट्र में है
    - रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड में **केदारनाथ ज्योतिर्लिंग**
    - महाराष्ट्र के औरंगाबाद में **घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kanwar-yatra-1